रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में भारतीय सेना ने **अग्रिम (लड़ाकू) क्षेत्रों,** विशेषकर उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों में उपयोग के लिये 100 **रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट (MULE) को शामिल किया है।**

- ये रोबोट -40 से +55 डिग्री सेल्सियस तक की कठोर जलवायु में काम करने, खड़ी पहाड़ियों पर चढ़ने और 15 किलोग्राम का भार उठाने की क्षमता रखते हैं।
  - इसके अलावा, उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सहायता और परिवहन में सुधार के लिये **लॉजिस्टिक्स ड्रोन का परीक्षण किया जा रहा है।**
- रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट एक **सतत्, तीव्रता के साथ कार्य करने वाला ज़मीनी रोबोट है** जिसे सभी मौसमों के लिये डिज़ाइन किया गया है, यह ऑब्जेक्ट की पहचान के लिये **इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स** और **इन्फ्रारेड तकनीक से लैस है।** यह नदियों के अंदर भी कार्य कर सकता है।
- इससे भारतीय सेना को मानव जीवन को जोखिम में डाले बिना निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने तथा अग्रिम पंक्ति के सैनिकों तक महत्त्वपूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।
- MULE अभी भी उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों में आपूर्ति वितरण के लिये महत्त्वपूर्ण हैं, जो सेना के पशु परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। सेना को उम्मीद है कि **2030 तक पशु परिवहन के उपयोग में 50-60% की कमी आएगी,** हालाँकि यह कई सीमावर्ती क्षेत्रों के लिये आवश्यक है।
- चीन ने पहले ही अपने सैन्य अभियानों में **रोबोट डॉग्स** को शामिल कर लिया है, जो सैन्य क्षेत्रों में रोबोट की बढ़ती तैनाती और संभवतः एक नई हथियारों की दौड़ का संकेत है।

और पढ़ें: [युद्ध क्षेत्र में रोबोट](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/robotic-mule-inducted-in-indian-army